

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 26 August 2026

Meta ने हिंदी विशेषज्ञों की भर्ती शुरू की, AI में हिंदी पहुंच को बढ़ाने का लक्ष्य

Publisher

Published on 09 Sep 2025



सोशल मीडिया और टेक्नोलॉजी की दुनिया की दिग्गज कंपनी **Meta** (पूर्व फेसबुक) ने हाल ही में **हिंदी विशेषज्ञों की भर्ती** की घोषणा की है। इस कदम का उद्देश्य हिंदी भाषी क्षेत्र में अपनी **AI तकनीक की पहुंच और दक्षता** को बढ़ाना है।

Meta ने यह निर्णय इसलिए लिया है क्योंकि भारत में हिंदी बोलने वाले उपयोगकर्ताओं की संख्या बहुत बड़ी है। कंपनी का लक्ष्य है कि उसके AI टूल्स, चैटबॉट्स और अन्य तकनीकी प्लेटफॉर्म हिंदी में पूरी तरह सक्षम हों और उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाएं।

Meta के अधिकारियों ने बताया कि इस भर्ती का मुख्य उद्देश्य है:

- AI के हिंदी में अनुकूलन** – मशीन लर्निंग और Natural Language Processing (NLP) टूल्स हिंदी में बेहतर ढंग से काम कर सकें।
- उपयोगकर्ता अनुभव बढ़ाना** – हिंदी भाषी उपयोगकर्ताओं को तकनीकी प्लेटफॉर्म पर सहज और आसान अनुभव मिल सके।
- भाषाई विविधता में योगदान** – AI को अधिक भाषाओं और स्थानीय भाषाई अभिव्यक्तियों के अनुकूल बनाना।

Meta का मानना है कि भाषा की समझ के बिना AI तकनीक की पूरी क्षमता का उपयोग नहीं किया जा सकता।

Meta ने यह भी स्पष्ट किया है कि इस भर्ती में आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को निम्नलिखित योग्यताओं की आवश्यकता होगी। हिंदी भाषा और व्याकरण में दक्षता। Natural Language Processing (NLP) और मशीन लर्निंग की समझ। टेक्स्ट, वॉयस और अन्य मीडिया सामग्री में AI मॉडल के प्रशिक्षण का अनुभव। कंप्यूटर विज्ञान और प्रोग्रामिंग में मूलभूत ज्ञान। कंपनी ने यह भी बताया कि उम्मीदवारों को टीम में काम करने की क्षमता और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर AI प्रोजेक्ट्स को संभालने की योग्यता होनी

चाहिए।

Meta पिछले कुछ वर्षों में AI और मशीन लर्निंग के क्षेत्र में तेजी से विकास कर रहा है। हिंदी विशेषज्ञों की भर्ती इस रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। कंपनी ने AI चैटबॉट्स, ऑटोमेटेड कंटेंट मॉडरेशन और वॉयस असिस्टेंट जैसी सेवाओं में हिंदी समर्थन बढ़ाने की योजना बनाई है। इसके अलावा, Meta का उद्देश्य भारतीय उपयोगकर्ताओं के लिए **सटीक और संवेदनशील कंटेंट** तैयार करना है।

भाषा विशेषज्ञों की मदद से AI सिस्टम को सांस्कृतिक और भाषाई संदर्भ में भी समझ विकसित करने की संभावना बढ़ जाएगी।

भारत में 22 आधिकारिक भाषाएँ हैं और हिंदी सबसे बड़ी भाषा है। Meta का यह कदम भारतीय बाजार में अपनी स्थिति को मजबूत करने का संकेत देता है। इससे न केवल तकनीकी क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, बल्कि AI आधारित सेवाओं की गुणवत्ता भी सुधरेगी। विशेषज्ञों का कहना है कि हिंदी में AI की उपस्थिति बढ़ने से डिजिटल इंडिया के सपनों को भी बल मिलेगा।

Meta केवल भारत ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर अपनी AI तकनीक को **बहुभाषी और समावेशी** बनाने की दिशा में काम कर रहा है। कंपनी ने पिछले साल कई भाषा विशेषज्ञों की भर्ती की थी, जिनसे विभिन्न भाषाओं में AI मॉडल को प्रशिक्षित किया गया। हिंदी विशेषज्ञों की भर्ती के साथ ही Meta अब **एशिया और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं** में भी AI पहुंच को बेहतर बनाने की योजना बना रहा है।

Meta ने यह जानकारी दी है कि भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन होगी। इसमें शामिल होंगे तकनीकी और भाषाई कौशल का मूल्यांकन। प्रोजेक्ट आधारित टेस्ट और समस्या सुलझाने की क्षमता की जांच। टीम इंटरव्यू और प्रबंधन मूल्यांकन। उम्मीदवार अपनी **रिज्यूमे और पोर्टफोलियो** के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। Meta ने यह भी कहा कि योग्यता और अनुभव के आधार पर चयन किया जाएगा।

Meta की इस भर्ती से भारतीय टेक समुदाय में उत्साह बढ़ा है। हिंदी और अन्य स्थानीय भाषाओं में AI विकास के लिए विशेषज्ञों की मांग बढ़ेगी। युवा प्रतिभाओं के लिए रोजगार और प्रशिक्षण के अवसर अधिक खुलेंगे। इससे भारत AI और भाषा तकनीक के क्षेत्र में वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ सकता है। Meta द्वारा हिंदी विशेषज्ञों की भर्ती न केवल **तकनीकी और रोजगार** के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह भारतीय भाषाओं और संस्कृति को डिजिटल दुनिया में सशक्त रूप से प्रस्तुत करने का संकेत भी है।

AI और मशीन लर्निंग के क्षेत्र में हिंदी विशेषज्ञों की भागीदारी से Meta की सेवाओं में भारतीय उपयोगकर्ताओं के लिए **बेहतर अनुभव, सटीकता और संवेदनशीलता** आएगी। यह कदम स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि डिजिटल दुनिया में स्थानीय भाषाओं का महत्व बढ़ रहा है और टेक्नोलॉजी कंपनियाँ इसे अपनाने के लिए सक्रिय हो रही हैं।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.